सर्व खाप का प्राचीन इतिहास स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल हो

हवासिंह सांगवान

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष पूर्व कमांडेंट हवासिंह सांगवान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बतलाया कि सन् 643 से लेकर 1857 तक खापों का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है, जिसमें प्राचीन हरियाणा की 36 बिरादरियों के वीरता के कारनामे दर्ज हैं।

ये इतिहास उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के सौरभ गांव में उपलब्ध है, जिस पर अभी तक पांच शोधार्थीपी.एच.डी की डिग्रियां प्राप्त कर चुके हंै। इस इतिहास पर अनेकों पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं, जिसमें सबसे लोकप्रिय पुस्तक सर्व खाप का राष्ट्रीय पराक्रम नाम से प्रकाशित हो चुकी है, जिसके लेखक निहाल सिंह आर्य हैं।

सांगवान ने आगे बतलाया कि खापों की सेनाओं ने केवल लड़ाइयां ही नहीं लड़ीं, बल्कि समाज की भलाई में अनेकों कार्य भी किए हैं, जिसको पढक़र हमारी वर्तमान पीढिय़ां हमारे पूर्वजों द्वाराकिए गए शौर्य कार्यों के अतिरिक्त अपनी परंपराओं और संस्कृति को समझ पाएंगे, जिससे होने वाली ऑनर किलिंग की घटनाओंमें भी निश्चित तौर पर कमी आएगी। इसलिए ये आवश्यक है कि इस इतिहास के कुछ अध्याय स्कूल के पाठ्यक्रमों में सरकार सम्मिलित करे।